उत्पाद नहीं, प्रक्रिआ

जब आप बच्चों के साथ आर्ट और क्राफट वाले काम करते हैं तो प्रक्रिया ҫ काम कैसे होता है ҫ अक्सर इस बात से ज़्यादा महत्वपूर्ण होता है कि उत्पाद ҫ आखिर में नतीजा ҫ क्या होता है।

संभावनाओं की खोज (Exploring possibilities)
शिशुओं और छोटे प्री स्कूल वाले बच्चों के लिए प्रक्रिया विशेष तौर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि वह अपने आस पास की दुनिया की छान-बीन अभी शुरु ही कर रहे हैं। अभी उनको इस बारे में बहुत कुछ सीखना है कि उंगलिओं से करने वाले पेंट का स्पर्श कैसा होता है, किस तरह इस को कागज़ के ऊपर छापा जा सकता है और रंगों को कैसे घोला जा सकता है। यह बिलकुल भी महत्वपूर्ण नहीं है कि उनकी पेंटिंग "खूबसूरत" हो। हो सकता है कि उन का पहला प्रयास सारे रंगों का गहरा भूरे रंग का मिश्रण हो और यह ठीक है। उन्होंने रंगों और उन की बनावट के बारे में काफी भेद जान लिए हैं।

हल ढूंढने (Discovering solutions)
जब आप बच्चों के आर्ट और क्राफट वाले कामों के उत्पाद से ज़्यादा उसकी प्रक्रिया के बारे में सोचेंगे, तो आप बच्चों को और नई सामग्री के साथ कोशिश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। आप चाहते हैं कि वह पेंट को पेपर पर डालने के अलग अलग तरीकों की खोज करें, कैसे अलग अलग बनावट वाली चीज़ों को इकट्ठे जोड़ा जा सकता है, और तब क्या होता है जब आप अंडों वाले डिब्बे के साथ पुल बनाने की कोशिश करते हैं। जब बच्चे ऐसा करते हैं, तो उन में मुश्किलों को सुलझाने की निपुणता बढ़ती है। उन को अपने तरीके से काम करने दें, चाहे नतीजा कैसा भी हो। उनके द्वारा बनाई गई हरेक चीज़ को नुमाइश के तौर पर फ्रिज के दरवाज़े पर लगाया जाए यह ज़रुरी तो नहीं।

नमूने की नकल करना (Following a model)
दूसरी तरफ, हो सकता है कि आप किसी क्राफट को विशेष तैयार उत्पाद जैसा बनाने के लिए ज़ोर देने का फैसला करें। किसी नमूने की नकल करना अपनी कल्पना के साथ सृजने से अलग कौशल है। एक बार जब उनको पता चल जाता है कि सामग्री और औज़ार कैसे काम करते हैं तो हो सकता है कि बड़े बच्चे इस उदाहरण से कुछ सीख जाएं। हो सकता है कि वह इस चुनौती का आनंद उठाएं, हालाँकि व्यक्तिगत सृजनातमकता को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए।

सामग्री के साथ खेलना (Playing with materials)
पहली छान-बीन की उम्र के बाद भी, बच्चों को इस बात की परवाह किए बिना कि उन का उत्पाद "सुंदर" या "बढ़िया" होगा कि नहीं, प्रक्रिया का आनंद लेने के लिए मौके चाहिए होते हैं। इस दबाव को हटाने से, बड़े बच्चे (यहाँ तक कि वयस्क भी) सामग्री के साथ खेलने का आनंद ले सकते हैं और नए नतीजों की खोज कर सकते हैं। जब आप आर्ट का अनुभव करना चाहते हैं, तो याद रखें कि उत्पाद के लक्ष्य और प्रक्रिया के स्वभाविक तरीके से चलने में संतुलन होना चाहिए।

क्राफट के लिए बुनियादी चीज़ें (Basic Craft Supplies)
यहाँ बच्चों के लिए अपने आप को आर्ट और क्राफट द्वारा अभिव्यक्ती करने के लिए कुछ बुनियादी चीज़ें बताई गई हैं।

- बच्चों के लिए सुरक्षित कैंचियाँ
- ग्लू सटिकें, सफेद ग्लू या पेस्ट
- बड़े या आम-नाप के क्रेआन(रंग) (धुल जाने वाले)
- मारकर, अलग अलग टिपों वाले (धुल जाने वाले)
- रंगदार पैंसिलें, चाक
- पेंट और पेंट ब्रुश
- कंसट्रकशन पेपर, अखबार, रद्दी पेपर
- पापसिकल सटिकें
- ऊन और धागे की कतरने
- खाली डिब्बे, दूध और अंडों के डिब्बे, टाइलट पेपर के रोल
- उपहार लपेटने वाले पेपर की कतरने, रिबन
- पुरानी पुस्तक सुचियां, पत्रिकाएं, ग्रीटिंग कार्ड

ब्रुशों से हट कर पेंटिंग (Painting beyond brushes)
सृजनातमक और दिलचस्प तरीके से पेंट करने के लिए किसी भी चीज़ को पेंट करने का ज़रिया बनाया जा सकता है। अपनी कल्पना को उड़ान भरने दें।

- ब्रुश (छोटे ब्रुश, दाँत साफ करने वाले ब्रुश, पुराने पेंट वाले ब्रुश, आदि)
- बड़े पेंट रोलर (इन को झाड़ू के पुराने हैंडल के साथ बाँध दें और बच्चे फुटपाथ पर रोलर पेंट कर सकते हैं)
- उंगलियाँ और पैरों की उंगलियाँ
- स्पंज, क्यू-टिपस (कान को साफ करने वाले), आँखों के ड्रापर
- दबाने वाली और स्परे वाली बोतलें
- कुकी कटर, खिलौनों वाले जानवर (इन से प्रिंट करें)
- लकड़ी के बलाक्स (इन के उपर चीज़ें चिपका कर इन को अलग अलग बनावट प्रदान करें)
- रसोई के बर्तन (आलू मसलने वाले यंत्र से दिलचस्प डिज़ाइन बनते हैं)
- मार्बलज़ या कंचे (एक डिब्बे में कागज़ बिछा कर कंचों को उस में घुमाएं)
- स्ट्रा (कागज़ के ऊपर पेंट डाल कर स्ट्रा के साथ फूक मार कर फैलाएं)
- खिलौनों वाली कारें (इन को पेंट में घुमाएं और फिर कागज़ पर घुमाएं)
- पाईन के पेड़ की टहनिआं
- कारपेट के टुकड़े, एक मिटन जिस की जोड़ी गुम हो गई हो (इन के साथ प्रिंट करें)
- टाइलट पेपर के रोल (कागज़ चढ़ाएं, रस्सी बाँधें या और अलग अलग बनावट की चीज़ें चढ़ाएं)
- बुलबुलों द्वारा पेंटिंग (पेंट में बुलबुलों वाला तरल डालें और फूक मार कर कागज़ के उपर बुलबुलों वाला पेंट करें)
- रस्सी, ऊन
- बर्फ की टुकड़ियाँ,बाजार में मिलने वाले दहीं के डिब्बे में पेंट को बहुत सारे पानी में डाल कर, हैंडल के लिए एक पापसिकल सटिक लगा कर जमा दें)
- प्याज़ के जालीदार थैले (इन को रुई के गोलों के साथ भरें और कस कर बाँध दें, इनके साथ प्रिंट करें)

द्वारा बैटसी मान
मददगार बार्ब स्टीवेनसन, होम चाइलड केअर प्रोवाइडर, औटवा

Le processus, pas le produit

Quand vous faites des activités d'art et de bricolage avec les enfants, le **processus** — le déroulement de l'activité — est souvent beaucoup plus important que le **produit** — son résultat final.

Explorer des possibilités

Il convient d'adopter cette perspective en particulier vis-à-vis des enfants en bas âge, au moment de leur vie quand ils commencent à explorer le monde qui les entoure. À ce stade de leur développement, ils ont intérêt à apprendre la sensation de la peinture à doigts sur les mains, les différentes manières de l'appliquer sur le papier, les façons de mélanger les couleurs. Il n'est pas du tout important que leur tableau soit « beau ». Leurs premiers essais peuvent finir en mélange brunâtre de toutes les couleurs et c'est bien. Ils auront fait de grandes découvertes au sujet des couleurs et des textures.

Découvrir des solutions

Lorsque vous mettez l'accent sur le processus plutôt que sur le produit, vous encouragez les enfants à essayer librement de nouveaux matériaux de bricolage. Vous voulez qu'ils *découvrent* différentes façons de mettre de la peinture sur du papier, de faire coller ensemble différentes textures, de bâtir un pont avec des cartons à oeufs. Ce sont autant d'occasions de s'exercer leurs aptitudes de résolution des problèmes. Encouragez-les à faire les choses à leur manière, même si ça ne réussit pas toujours. Vous n'êtes pas obligé d'afficher tout ce qu'ils font sur la porte du frigo!

Suivre un modèle

Par contre, à d'autres moments, vous déciderez de mettre l'accent sur la fabrication d'un bricolage qui ressemble à un produit fini spécifique. Savoir copier un modèle est une habileté très différente de savoir créer à partir de son imagination. Les enfants plus âgés seront peut-être prêts à suivre un exemple, après qu'ils auront appris le mode d'emploi des matériaux et des outils. Il est fort possible qu'ils apprécient le défi, mais il faut encore laisser la place à la créativité personnelle.

Jouer avec des matériaux

N'oubliez jamais le plaisir du processus. Même les enfants plus âgés (et les adultes!) s'amusent à jouer avec des matériaux, à découvrir de nouveaux effets sans s'inquiéter de produire une grande oeuvre d'art. Quand vous planifiez des expériences artistiques, gardez à l'esprit l'objectif d'un équilibre entre la production d'un résultat prévu et la liberté d'expression selon l'inspiration du moment.

Fournitures de base pour le bricolage

Voici quelques fournitures de base qui inspireront les enfants à s'exprimer par le biais des bricolages :

- ciseaux à bouts ronds;
- bâtons de colle, colle blanche ou colle « maison »;
- crayons de cire lavables, de grande et de petite taille;
- marqueurs lavables, aux embouts de diverses formes;
- crayons à dessin de couleur, craie;
- peinture et des pinceaux;
- papier de bricolage, papier journal, papier rebut;
- bâtons de popsicle;
- retailles de tissu, bouts de laine;
- boîtes vides, cartons à lait, cartons à oeufs, tubes de papier de toilette;
- retailles de papier d'emballage, rubans;
- vieux catalogues, vieilles revues, vieilles cartes à souhaits.

La peinture au delà des pinceaux

Les objets qui peuvent servir à la peinture se retrouvent partout. Voici une liste qui nourrira votre imagination :

- petites brosses, brosses à dents, vieux pinceaux de peinture, marqueurs séchés;
- grands rouleaux de peinture (On les met sur un manche à balai et les enfants peinturent le trottoir);
- doigts et orteils;
- éponges, coton tiges, compte-gouttes;
- emporte-pièce, animaux jouets, échantillons de tapis (pour faire des impressions);
- blocs en bois, bouts de bois (y coller des choses pour créer diverses textures);
- ustensiles de cuisine (les pilons à patates font des dessins intéressants);
- billes (les faire rouler dans une boîte doublée de papier);
- pailles (souffler la peinture sur le papier);
- autos jouets (les rouler dans la peinture et sur le papier);
- tubes de papier à toilette (rouler sur le papier; y coller de la ficelle ou d'autres textures);
- bulles (ajouter du liquide pour bulles à la peinture et souffler pour imprimer les bulles sur le papier);
- ficelle, laine, branches de pin;
- glaçons (mélanger de la peinture avec beaucoup d'eau dans de petits contenants, ajouter un bâton de bois comme poignée, congeler);
- bouteilles à vaporiser, bouteilles à désodorisant (enlever la bille d'une bouteille et la remplir de peinture diluée. Remettre la bille et rouler la peinture sur le papier);
- sacs à oignons (remplir de boules d'ouate et attacher, pour faire des impressions);
- mitaines dépareillées (pour faire des impressions).

par Betsy Mann
avec l'aide de Barb Stevenson, éducatrice en services de garde, Ottawa